अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (चारा/फॉडर) के अंतर्गत आयोजित

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

विषय: चारा प्रजातियों की कृषिवानिकी में संभावनाएँ

आयोजन स्थलः बाबुपुर, प्रतापगढ़

दिनांक: 8 सितम्बर 2025

आयोजक: भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज

दिनांक 08 सितम्बर 2025 को बाबुपुर, प्रतापगढ़ में 'चारा प्रजातियों की कृषिवानिकी में संभावनाएँ' विषय पर एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन डॉ संजय सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का परिचय डॉ. अनीता तोमर (वैज्ञानिक-एफ) द्वारा किया गया, जिन्होंने किसानों को चारा प्रजातियों एवं कृषिवानिकी के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने मुख्य रूप से सबाबुल, सेसबानिया, मुरगक्का (ड्रमस्टिक), बबूल आदि जैसे वृक्ष-आधारित चारे के लिए सुझाव दिए। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह (प्रमुख एवं वैज्ञानिक-जी) ने कहा कि पशुपालन भारत की कृषि अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का एक प्रमुख साधन है। पशुओं का स्वास्थ्य और उनकी उत्पादकता सीधे तौर पर उनके आहार पर निर्भर करती है। संतुलित और पौष्टिक पशु आहार न केवल पशुओं को स्वस्थ रखता है, बल्कि दूध का उत्पादन भी बढ़ाता है। तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक-वैज्ञानिक संवाद तथा किसानों के अनुभव साझा किए गए, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक दोनों दृष्टिकोणों से समृद्ध ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम किसानों को कृषिवानिकी के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने और पशुओं के लिए पौष्टिक चारा उपलब्ध कराने के नए तरीके सिखाने में सफल रहा। इससे किसानों को पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संवर्धन के महत्व के बारे में भी पता चला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम
की कृषिवानिकी मे संभावनाएं
8 सितम्बर 2025
सह-कार्यशाला
एवं विकास

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषक प्रशिक्ष कार्यक्रम

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
कृषक प्रशिक्षण सह-कार्यशाला

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ([illegible]) के अंतर्गत आयोजित

संरक्षित पशु आहार, समृद्धि का आधार

(प्रशिक्षण सह कार्यशाला)

" पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी प्रणालियों के तहत उपयुक्त चारा वृक्ष प्रजातियाँ "

आयोजक: भा. वा. अ. शि. प. – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
आयोजन स्थल: [illegible], प्रयागराज। दिनांक: [illegible] सितम्बर 2025

पंजीकरण प्रपत्र

1. नाम:
2. पिता / पति का नाम:
3. आयु:
4. पता:
5. संपर्क नंबर:
6. ई-मेल (यदि हो):
7. शैक्षणिक योग्यता:
8. किसान की भूमि का प्रकार: ☐ सिंचित भूमि ☐ असिंचित भूमि ☐ अन्य
9. क्या आपके पास मवेशी हैं? ☐ हाँ ☐ नहीं
10. यदि हाँ, तो किस प्रकार के मवेशी हैं (गाय/भैंस/बकरी/अन्य):
11. कुल मवेशियों की संख्या:
12. आप हरे चारे के स्रोत कहाँ से प्राप्त करते हैं?
☐ अपनी खेती से ☐ बाजार से ☐ जंगल से
13. क्या आप पहले से साइलेज तैयार करते हैं? ☐ हाँ ☐ नहीं
14. आप कौन-कौन से हरे चारे की वृक्ष प्रजातियों की खेती करते हैं?

(हस्ताक्षर)

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ([illegible]) के अंतर्गत आयोजित

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र,प्रयागराज
[illegible]
आयोजन स्थल: [illegible], प्रयागराज। दिनांक: [illegible] सितम्बर 2025

चारा प्रजातियों की कृषिवानिकी में संभावनाएं

कार्यक्रम विवरण

02:30 से 03:00	• उद्घाटन सत्र
	• परिचय- डॉ. अनीता तोमर, वैज्ञानिक एफ एवं कार्यक्रम समन्वयक • स्वागत भाषण - डॉ. संजय सिंह, प्रमुख एवं वैज्ञानिक जी • कार्यक्रम रूपरेखा तथा किसानों का परिचय • उद्बोधन भाषण - विशिष्ट अतिथि, श्री [illegible] कुमार, • [illegible], प्रयागराज • धन्यवाद ज्ञापन - डॉ. अनीता तोमर, वैज्ञानिक एफ
3.00 - 5.00	• तकनीकी सत्र
	1. पशुधन के लिए संतुलित आहार में चारा वृक्ष - डॉ. अनीता तोमर 2. चारा प्रजातियों की कृषिवानिकी में संभावनाएं - श्री आलोक पाण्डेय 3. [illegible] की खेती - डॉ. अनुभा श्रीवास्तव • कृषक वैज्ञानिक संवाद • कृषकों के अनुभव
5.00	• चाय, नाश्ता

संरक्षित पशु आहार, समृद्धि का आधार